तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर ... अहकाम ... हुक्म की ... में जा...
23.3.21	कोई उपस्थित नहीं। मूलवाद अदम हाजिरी व अदम पैरवी में खारिज किया जा चुका है। अतः मूल वाद के बगैर प्रा० पत्र का कोई औचित्य नहीं है अतः प्रा०पत्र मूलवाद की रोशनी में प्रा०पत्र खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसलशुमार होकर संलग्न मूलवाद रहे। [signature] उपखण्डाधिकारी धौलपुर (राज0)	